Seventeenth Loksabha

an>

Need to include biography of Lachit Borphukan, the great Assamese warrior in the CBSE curriculum and NCERT Books

श्री दिलीप शइकीया (मंगलदोई): महोदय, मैं केंद्र सरकार का ध्यान वीर योद्धा लचित बरफुकन की 400वीं जयंती के अवसर पर सीबीएसई और एनसीईआरटी की पुस्तकों में इस महान असमिया योद्धा की जीवनी पाठयक्रम में सम्मिलित करने संबंधी मुद्दे की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ।

लचित बरफुकन ने मुगलों को कई बार धूल चटाई और युद्ध में हराया। लचित ने मुगलों के कब्जे से गुवाहाटी को छुड़ा कर उस पर फिर से अपना कब्जा कर लिया था और मुगलों को गुवाहाटी से बाहर धकेल दिया था। इसी गुवाहाटी को फिर से पाने के लिए मुगलों ने अहोम साम्राज्य के खिलाफ सराईघाट की लड़ाई लड़ी थी। इस युद्ध में मुगल सेना 1,000 से अधिक तोपों के अलावा बड़े स्तर पर नौकाओं का उपयोग किया था, लेकिन फिर भी लचित की रणनीति के आगे उनकी एक नहीं चली थी। लचित बरफुकन को पूर्वोत्तर का शिवाजी कहा जाता है। क्योंकि उन्होंने शिवाजी की तरह मुगलों को कई बार युद्ध के मैदान में हराया था। मुगलों को हराने वाले लचित बरफुकन के पराक्रम और सराईघाट की लड़ाई में असमिया सेना की विजय की याद में हर साल असम में 24 नवंबर को लचित दिवस मनाया जाता है। लचित के नाम पर नेशनल डिफेंस एकेडमी में बेस्ट कैडेट गोल्ड मेडल भी दिया जाता है, जिसे लचित मैडल भी कहा जाता है। मैं केंद्र सरकार से अनुरोध करता हूँ कि असम के पराक्रमी योद्धा लचित बरफुकन के जीवन-वृत को सीबीएसई के पाठ्यक्रम और एनसीईआरटी की पुस्तकों में सम्मलित किया जाये ताकि युवा पीढ़ी उनके जीवन एवं महान कार्यों से परिचित हो सके।